आई टी एल पब्लिक स्कूल
सत्र(2025-26)
विषय- हिंदी
पुनरावृत्ति कार्यपत्रिका

दिनांक ः
नाम ः

कक्षाः पंचम
रोल नंबरः

उपविषय-अपठित गद्यांश

प्रश्न 1	दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। बहुत समय पहले की बात है। एक बहुत घना और डरावना जंगल था।इस जंगल में अनेक प्रकार के पेड़-पौधे, लताएँ, झाड़ियाँ आदि थीं।एक स्थान पर दो बहुत ही बड़े पेड़ लगे हुए थे।इन पेड़ों की छाँव में खूँखार जानवर रहते थे।जो लोग शिकार करने आते थे, ये जानवर उनका ही शिकार कर लेते थे तथा इन्हीं वृक्षों के नीचे बैठकर फिर आराम से माँस खाकर वे उनकी हड्डियों आदि को इन्हीं वृक्षों के नीचे छोड़ दिया करते थे।इसलिए इन वृक्षों के पास सदैव दुर्गंध आती रहती थी।पशुओं के इस व्यवहार से दोनों वृक्षों को यह चिंता होने लगी कि इस प्रकार तो हमारा वातावरण खराब हो जाएगा।बहुत सोच-विचार के बाद दोनों वृक्षों ने निर्ण य लिया कि इन जानवरों को यहाँ से कहीं दूर भेज दिया जाए। वातावरण को शुद्ध करने का यही एक तरीका था।कहते हैं कि हर चीज़ के दो पहलू होते हैं, एक अच्छा और दूसरा बुरा।उन्हें इस बात का भी डर लगा हुआ था कि कहीं जानवरों के यहाँ से जाने के बाद मनुष्य उन्हें ही न काट डालें।	
क)	जानवर पेड़ों के नीचे बैठकर क्या करते थे?	
ख)	दोनों वृक्षों ने क्या निर्णय लिया?	
ग)	वृक्षों के पास सदैव दुर्गंध क्यों आती रहती थी?	
घ)	वृक्षों को किस बात का डर लगा रहता था?	
ङ)	विलोम शब्द गद्यांश में से ढूँढकर लिखिए-अशुद्ध, सुगंध।	
च)	गद्यांश में से समानार्थक लिखिए- फैसला, पर्यावरण।	

आई टी एल पब्लिक स्कूल
सत्र(2025-26)
विषय- हिंदी
पुनरावृत्ति कार्यपत्रिका

दिनांक ः
नाम ः

कक्षाः पंचम
रोल नंबरः

उपविषय-अपठित गद्यांश

प्रश्न 1	दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। बालक चंद्रशेखर की उम्र उस समय चौदह वर्ष थी।विद्यालय में समाचारपत्रों के माध्यम से उन्हें अंग्रेज़ों के अत्याचारों वे क्रांतिकारियों के आंदोलनों की भी समझ हो गई थी।तब उन्होंने इस आंदोलन में हिस्सा लेने का निश्चय किया।उस समय कम उम्र के बच्चों के लिए आंदोलन एक नई बात थी, क्योंकि ऐसे आंदोलनों के प्रति अंग्रेज़ सरकार का सख़्त रवैया अपनाती थी जो बड़ों-बड़ों में भी भय पैदा कर देता था। बालक चंद्रशेखर तो जैसे किसी और ही मिट्टी के बने थे। उन्होंने घूम-घूमकर अपने हमउम्र विद्यार्थियों को आंदोलन में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उनके नेतृत्व में काशी के सैकड़ों विद्यार्थियों ने सड़कों पर क्रांतिकारी नारे लगाते हुए जुलूस निकाला। नारों का शोर सुनकर पुलिस की टुकड़ियाँ भी वहाँ पर आ गई। एक पुलिस अधिकारी ने गरजकर कहा, "तुम सब अपने-अपने घरों को वापस जाओ, वरना सबको जेल में डाल देंगे।" चंद्रशेखर ने निर्भीकता से कहा, "क्या आज़ादी माँगना अपराध है ? अगर है तो पहला अपराधी मैं हूँ।" एक छोटे-से बालक के मुँह से ऐसी वीरता भरी बातें सुनकर वह अधिकारी क्रोध से भर उठा।	
क)	समाचारपत्रों के माध्यम से चंद्रशेखर को किस बात की समझ हो गई थी?	
ख)	उस समय कम उम्र के बच्चों के लिए आंदोलन नई बात क्यों थी?	
ग)	बालक चंद्रशेखर ने आज़ादी की लड़ाई में अपना योगदान कैसे दिया?	
घ)	अंग्रेज़ अधिकारी क्रोध से क्यों भर उठा ?	
ङ)	विलोम शब्द गद्यांश में से ढूँढकर लिखिए-नरम , गुलामी।	
च)	"सबको जेल में डाल देंगे।" इस वाक्य का काल का भेद लिखिए।	
छ)	'वरना सबको जेल में डाल देंगे'- इस वाक्य में रेखांकित संज्ञा का भेद लिखो।	

आई टी एल पब्लिक स्कूल
सत्र(2025-26)
विषय- हिंदी
पुनरावृत्ति कार्यपत्रिका

दिनांक ः
नाम ः

कक्षाः पंचम
रोल नंबरः

उपविषय-अपठित गद्यांश

प्रश्न 1	दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। एक बार सुलेमान नाम के बादशाह अपने उड़नखटोले में बैठे कहीं जा रहे थे।बड़ी गरमी थी।धूप से वह परेशान हो रहे थे।आकाश में उड़ने वाले गिद्धों से उन्होंने कहा कि अपने पंखों से तुम मेरे सिर पर छाया कर दो।पर गिद्धों ने ऐसा करने से मना कर दिया।उन्होंने बहाना बनाते हुए कहा कि हम तो छोटे - छोटे हैं।हमारी गर्दन पर पंख भी नहीं हैं।हम छाया कैसे कर सकते हैं।सुलेमान आगे बढ़ गए।कुछ दूर जाने पर उनकी भेंट हुदहुदों (एक बहुत सुंदर पक्षी) के मुखिया से हुई।वह बहुत चतुर था। सुलेमान ने उनसे भी मदद माँगी। उसने फौरन अपने दल के सभी हुदहुदों को बुलाकर सुलेमान के ऊपर छाया कर दी।सुलेमान ने प्रसन्न हो कर उनसे एक वरदान माँगने को कहा।मुखिया ने अपने साथियों से सलाह करके कहा,“ महाराज! यह वरदान दीजिए कि आज से हमारे सिर पर सोने की कलगी निकल आए।” बादशाह हँसे और बोले -मुखिया इसका फल क्या होगा , यह तुमने सोच लिया है? मुखिया बोला,“ हाँ ,महाराज ! मैंने अपने सभी साथियों से सलाह करके यह वरदान माँगा है।” सुलेमान ने प्रार्थना स्वीकार कर ली।सभी हुदहुदों के सिर पर सोने की कलगी निकल आई।	
क)	बादशाह सुलेमान किस में बैठ कर जा रहे थे ?	
ख)	बादशाह सुलेमान ने गिद्धों से क्या कहा?	
ग)	गिद्धों ने क्या बहाना बनाया ?	
घ)	सुलेमान ने हुदहुदों के मुखिया से क्या माँगने को कहा ?	
ङ)	विलोम शब्द गद्यांश में से ढूँढकर लिखिए-पीछे , बड़े।	
च)	गद्यांश में से समानार्थक लिखिए- सहायता, मुलाकात।	